
परिशिष्ट

परिक्षिप्त : एक
संदर्भ ग्रंथ सूचि

- | | | |
|---|--|--|
| १. डॉ. ओमप्रकाश | आज का हिंदी नाटक -
प्रगति और प्रभाव | प्रथम संस्करण, १९८४,
राजपाल & सन्स, दिल्ली |
| २. डॉ. कुलकर्णी गो. रा. | साक्षात्कार से | |
| ३. प्रा. कुलकर्णी भिमराव | वामन पंडिताची सुधा काव्ये
प्रस्तावना | |
| ४. डॉ. गौतम सुरेश तथा
डॉ. गौतम वीणा | राजपथ से जनपथ -
नटशिल्पी शंकर शेष | प्रथम संस्करण, १९८६
शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली |
| ५. डॉ. गौतम रमेश | हिंदी के प्रतीक नाटक | प्रथम संस्करण, १९८० |
| ६. डॉ. जाधव प्रकाश | रंगधर्मी नाटककार शंकर शेष | प्रथम संस्करण, १९९०
विकास प्रकाशन, कानपुर |
| ७. श्री. तनेजा जयदेव | समकालीन हिंदी नाटक
और रंगमंच | प्रथम संस्करण, १९७८
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
| ८. डॉ. विष्णुचतन गोविंद | शास्त्रीय समीक्षा के
के सिध्दांत | प्रथम संस्करण, १९५९
भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली |
| ९. डॉ. मलिक शांति | हिंदी नाटकों की शिल्प-
विधी का विकास | प्रथम संस्करण, १९७९
नैशनल प. हाउस, दिल्ली |
| १०. डॉ. मिश्र भगीरथ | काव्यशास्त्र | नवम संस्करण, १९९०
वाराणसी |
| ११. डॉ. रत्नोमी गिरीश | समकालीन हिंदी नाटककार | प्रथम संस्करण, १९७९
इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली |
| १२. डॉ. रीतकुमार | स्वातंत्र्योत्तर हिंदी
नाटक : मोहन राकेश
के विशेष संदर्भ में | प्रथम संस्करण, १९८०
विभू प्रकाशन, इलाहाबाद |
| १३. राय नरनारायण | आधुनिक हिंदी नाटक
एक यात्रा दशक | प्रथम संस्करण, १९७९
दिल्ली |
| १४. डॉ. लवटे सुनिलकुमार | नाटककार शंकर शेष | प्रथम संस्करण, १९८२
संजय प्रकाशन, कोल्हापुर |
| १५. सिंह रामधारी दिनकर | रश्मिभरणी | प्रथम संस्करण, १९७६
पटना प्रकाशन |
| १६. श्री. शास्त्री राम
नारायण दत्त | महाभारत | गीता प्रेस, गोरखपुर |
| १७. श्री. शास्त्री पामडे
नारायण दत्त | महाभारत की
नामानुक्रमणिका | प्रथम संस्करण, संवत् १०२६
गीता प्रेस, गोरखपुर |
| १८. डॉ. शंकर शेष | एक और द्रोणाचार्य | प्रथम संस्करण, १९७९
परम प्रकाशन, नई दिल्ली |
| १९. डॉ. शुक्ल सुरेशचंद्र | हिंदी नाटक और
नाट्य-समीक्षा | प्रथम संस्करण, १९७८
स्मृती प्रकाशन, इलाहाबाद |
| २०. डॉ. भाबुक कृष्ण | एक और द्रोणाचार्य :
विविध आयाम | नवम संस्करण, १९९२
अशोक प्रकाशन, दिल्ली |

१. डॉ. हसमनीस मधुकर डॉ. शंकर शेष के नाटकों का अनुशीलन १९८८, कोल्हापुर
२. डॉ. जाधव संपतराव डॉ. शंकर शेष के साहित्यिक विषयो और शिल्पविधियों का अनुशीलन १९९०, कोल्हापुर
३. Dr. Pakhale G. S. Shri Aurbiudos use of Game Symbol & Myth With Particular Reference to His History १९८९, Kolhapur
४. श्री. अमोडकर भानुदास प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध, एम्.फिल 'जगदीशचंद्र माधुर के नाटकों में परम्परा और आधुनिकता' १९९०, कोल्हापुर

